कन्हैया ओ कन्हैया | By Subhash Tilakdhari

कन्हैया.... कन्हैया
पैरों में पड़े छाले पास अपने तू बुला ले
मेरे यार मुरली वाले घनश्याम मुरली वाले...2
कन्हैया.... ओ कन्हैया

सुना है सारे जग का मेरे श्याम तू सहारा
जिसका है तू सहारा जीवन में वह न हारा
हर ले कष्ट तू मेरे मन का
यार हूं मैं तेरे बचपन का
अब तो साथ निभाले
मेरे यार मुरली वाले घनश्याम मुरली वाले
कन्हैया.... ओ कन्हैया

आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना
लेकर के साथ तुझको गैया चराने जाना
वन-वन गया खूब चराई
ओ मेरे घनश्याम कन्हाई...2
तेरे खेल निराले
मेरे यार मुरली वाले घनश्याम मुरली वाले
कन्हैया.... ओ कन्हैया

किस्मत का हूं सताया फिरता हूं मारा मारा
पता तेरा नहीं पाया मैं पूछ पूछ हारा
इतनी देरी तू ना कर या
ओ मेरे घनश्याम सांवरिया
अब तो गले लगा ले
मेरे यार मुरली वाले घनश्याम मुरली वाले
कन्हैया.... ओ कन्हैया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%93-%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-subhash-tilakdhari/